9. Photos of the Programme

उद्घाटन सत्र के दौरान मंचासीन अतिथि, मान. कुलपति, कुलसचिव एवं स्थानीय संयोजक

दीप प्रज्जवलन मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक, पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी राज भाषा आयोग, रायपुर

दीप प्रज्जवलन माननीय कुलपति जी, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर

माँ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कुलसचिव जी, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर

माँ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन, स्थानीय संयोजक डॉ. जयपाल सिंह, विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग

मुख्य अतिथि का पुष्प पौध से स्वागत कुलसचिव जी द्वारा

अध्यक्ष एवं माननीय कुलपति जी का पुष्प पौध से स्वागत संयोजक द्वारा

विशिष्ट अतिथि डॉ. किरण झा, सहायक निदेशक केंद्रीय हिंदी निदेशालय का पुष्प पौध से स्वागत कुलसचिव जी द्वारा

कुलसचिव जी का पुष्प पौध से स्वागत स्थानीय संयोजक डॉ. जयपाल सिंह, विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग द्वारा

कार्यक्रम में माननीय कुलपति डॉ. बंश गोपाल सिंह जी का संबोधन

मुख्य अतिथि को शाल श्री फल एवं स्मृति चिह्न भेंट करते माननीय कुलपति जी

स्वामी श्री सच्चिदानंद तीर्थ जी महराज श्रीचक्र महामेरु पीठक, मुंगेली द्वारा जगद्गुरु श्री शंकराचार्य जी पर व्याख्यान

स्वामी श्री सच्चिदानंद तीर्थ जी महराज श्रीचक्र महामेरु पीठक, मुंगेली को अंग वस्त्र भेंट

स्वामी श्री सच्चिदानंद तीर्थ जी महराज श्रीचक्र महामेरु पीठक, मुंगेली को स्मृति चिह्न भेंट

कार्यक्रम में उपस्थित सम्माननीय प्राध्यापक, अधिकारी, विद्यार्थी, कर्मचारी

कार्यक्रम में उपस्थित सम्माननीय प्राध्यापक, अधिकारी, विद्यार्थी, कर्मचारी

कार्यक्रम में उपस्थित सम्माननीय प्राध्यापक, अधिकारी, विद्यार्थी, कर्मचारी

कार्यक्रम में केरल विश्वविद्यालय की छात्रा मीनाक्षी द्वारा परिचर्चा

कार्यक्रम में केरल विश्वविद्यालय की छात्र द्वारा परिचर्चा

कार्यक्रम का सामूहिक छायाचित्र

कार्यक्रम का सामूहिक छायाचित्र

कार्यक्रम का सामूहिक छायाचित्र

13. Newspaper Clippings of the Media Coverage of the Program 22 March 2024

दैनिक भास्कर

धर्म और संस्कृति के संरक्षण से ही देश बचेगा

ओपन यूनिवर्सिटी में जगद्गुरू श्री शंकराचार्य पर व्याख्यान माला

एजुकेशन रिपोर्टर | बिलासपुर

पं. सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी में जगद्गुरू श्री शंकराचार्य पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इसके साथ ही छात्र अध्ययन यात्रा का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम केंद्रीय हिंदी निदेशालय एवं भारतीय भाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। मुख्य अतिथि स्वामी श्री चक्र महामेरू पीठाधिपति ने जगद्गुरू श्री शंकराचार्य के द्वारा किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृति बचेगी, तब देश बचेगा। धर्म से संस्कृति जुड़ी हुई है और धर्म, संस्कृति के साथ भारत की संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखना अति आवश्यक है। जो कि जगद्गुरू श्री शंकराचार्य का मुख्य उद्देश्य है। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पाठक, मुख्य वक्ता केंद्रीय हिंदी निदेशालय की डॉ. किरण झा रहीं। अध्यक्षता कुलपति प्रो. बंशगोपाल सिंह ने की। जगद्गुरू श्री शंकराचार्य पर व्याख्यान माला का भी आयोजन किया गया।

आरोपित भाषा से संस्कार नहीं मिलता : डॉ. झा

मुख्य वक्ता डॉ. झा ने कहा कि हिंदी सागर है, जो संपूर्ण भारत को समेटे हुए है। उन्होंने केंद्रीय हिंदी निदेशालय के योजनाओं की भी जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. पाठक ने कहा कि हिंदी लोकाश्रय के बल से आगे बढ़ रही है। आरोपित भाषा से संस्कार नहीं मिल पाता। स्वागत भाषण कुलसचिव भुवन राज सिंह ने दिया। डॉ. हीरालाल शर्मा ने कहा कि भारतीय परंपरा में अतिथि देवों भवः को चरितार्थ करते हुए हिन्दीत्तर प्रांत केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र से आए आगंतुक छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं परम्परा से रूबरू हो सकेंगे। आभार प्रदर्शन हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति ने दिया।

नईदुनिया

पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के व्याख्यान में विद्वानों का मत, महाराष्ट्र, कर्नाटक व केरल के युवाओं ने रखी अपनी बात

युवाओं की पसंद बन रही अब हिंदी भाषा

साहित्यकारों का विशेष योगदान: कुलपति डा. सिंह

संस्कृति बचेगी तभी देश बचेगा: स्वामी चक्र महामेरु

गैर हिंदी भाषी राज्यों से पहुंचे छात्र-छात्राएं

अतिथि देवो भव: यहां आकर जाना

हिंदी की अपनी विशिष्ट पहचान

प्रचार-प्रसार में अब काफी तेजी

समाज में अब फर्क दिखने लगा

यात्रा में मैंने देखी सब जगह हिंदी

इंटरनेट मीडिया पर भी बनी पसंद

शंकराचार्य व्याख्यान माला व छात्र अध्ययन यात्रा के उद्घाटन पर अतिथियों ने कहा

हिन्दी समुद्र रूपी सागर, समेटी हुई है संपूर्ण भारत को

पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर में गुरुवार को केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय एवं भारतीय भाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में जगदगुरू श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला एवं छात्र अध्ययन यात्रा का उद्घाटन किया गया। अतिथियों ने कहा कि हिन्दी समुद्र रूपी सागर है, जो संपूर्ण भारत को समेटी हुई है।

संस्कृति जुड़ी हुई है धर्म से

जगदगुरू श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि स्वामी श्री चक्र महामेरु पीठाधिपति ने जगदगुरू श्री शंकराचार्य द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृति बचेगी तब देश बचेगा। धर्म से संस्कृति जुड़ी हुई है। धर्म, संस्कृति के साथ भारत की संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखना अति आवश्यक है। यही जगदगुरू श्री शंकराचार्य का मुख्य उद्देश्य है।

बिलासपुर। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के कुलसचिव भुवन राज सिंह ने दिया। उन्होंने अतिथियों का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए डॉ. हीरालाल शर्मा ने कहा कि भारतीय परंपरा में अतिथि देवो भवः को चरितार्थ करते हुए हिन्दीतर प्रांत केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र से आए आगंतुक छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं परंपरा से रूबरू हो सकेंगे। बीज वक्तव्य देते हुए केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय से आईं डॉ. किरण झा ने कहा कि हिन्दी समुद्र रूपी सागर है जो संपूर्ण भारत को समेटे हुए है। उन्होंने केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के योजनाओं की भी जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि हिन्दी लोकाश्रय के बल से आगे बढ़ रही है। सारी भाषाओं में प्रेम है। मंचस्थ अतिथियों का शॉल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में हिन्दीतर प्रदेश केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र से आए छात्र-छात्राओं के साथ भारी संख्या में अन्य लोगों की उपस्थिति रही। आभार प्रदर्शन हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति ने किया।

तेजी से हुआ है हिंदी भाषा का विकास

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें कुलपति प्रो. डॉ. बंश गोपाल सिंह ने कहा कि हिंदीतर प्रांत की छात्र-छात्राएं छत्तीसगढ़ में हिन्दी को बढ़ाने जिन साहित्यकारों का योगदान है, उनसे रूबरू हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि 1990 से लेकर आज तक हिन्दी भाषा का विकास अत्यंत तेज गति से हुआ है। इससे हिन्दी की स्वीकारता धीरे-धीरे बढ़ी है। उन्होंने भारतीय परिदृश्य में भाषा की राजनीतिकरण पर भी प्रकाश डाला तथा सभी भाषा को महत्व देने की आवश्यकता पर बल दिया।

परिवर्तनों को स्वीकारते हुए बेहतर समाज का करें निर्माण: प्रो. चक्रवाल

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली से प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें अतिथियों ने कहा कि परिवर्तनों को स्वीकारते हुए बेहतर समाज का निर्माण करें। सेक्स वर्कर एंड केयर विदाउट लीगल, एजुकेशनल, हेल्थ, ऑक्यूपेशनल चैलेंजेस विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. नीलांबरी दवे, कुलपति सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट गुजरात ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि संगोष्ठी का विषय समीचीन है।

करने होंगे सकारात्मक प्रयास

विशिष्ट अतिथि धर्मेश पांडेय निदेशक समाज कार्य विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा ने अपने वक्तव्य में बताया कि समाज में आज भी कई ऐसे लोग हैं जो इस तबके को हीन भावना की दृष्टि से देखते हैं। विशिष्ट अतिथि ललित एस.ए. वाइस प्रेसीडेंट सोसायटी फॉर पार्टिसिपेटरी इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट नई दिल्ली ने देह व्यापार से जुड़ी महिलाओं के बच्चों को रोजगार प्राप्ति में होने वाली परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा कि समाज के बौद्धिक वर्ग को आगे आकर इस वर्ग के लिए सकारात्मक प्रयास करने होंगे।

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग, खेल व स्पोर्ट्स साइंस तथा टेक्नालॉजी इनेबलिंग सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में टेक इनेबल्ड फिटनेस रिजीम-2024 विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य का संबंध तन और मन दोनों से है। राजकोट के कुलपति प्रो. नीलांबरी दवे, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव, टेक्नालॉजी इनेबलिंग सेंटर के समन्वयक प्रो. आलोक कुमार सिंह कुशवाहा तथा शारीरिक शिक्षा विभाग पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की प्रो. रीता वेणुगोपाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

एवीएम के नन्हें सैनिकों ने किया पाककला का प्रदर्शन

इन्होंने कहा

रंगों की होली

हरिभूमि

हिंदी भाषा की स्वीकारिता बढ़ रही है: कुलपति

बिलासपुर @ पत्रिका. पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय में 21 मार्च को केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय एवं भारतीय भाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में जगदगुरू श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला एवं छात्र अध्ययन यात्रा का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. डॉ. बंश गोपाल सिंह ने कहा कि हिन्दी की स्वीकारता धीरे-धीरे बढ़ी है। स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के कुलसचिव भुवन राज सिंह ने दिया। डॉ. हीरालाल शर्मा ने प्रस्तावना व्यक्त किया। बीज वक्तव्य केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय से पधारी डॉ. किरण झा ने व्यक्त किए। मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक थे।

पत्रिका